कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

ई.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद/हउंपसण्बवउए ˜मइेपजमरूीजजचण्णहतपण्वतहए फीण् श्.0731.2874065

स्थापना वर्ष:1963

शैक्षणिक सत्र: 2025–26

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – समाजशास्त्र
Subject – Sociology
सेमेस्टर – तृतीय
Sem. – IIIrd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14-2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – CC31**
   Course Code – CC31
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य**
   Course Title – Theoritical Prespractive of Sociology
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कोर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   यह पाठ्यकम विद्यार्थीयों में अवधारणात्मक सीख एवं निम्नलिखित समझ पैदा करेगा –
   1. समाजशास्त्रीय विचारधारा को ऐतिहासिक विकास और संदर्भ को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   2. भारतीय समाजशास्त्रीयों के योगदान और स्वदेशी सिद्धांतों को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   3. प्रकार्यवाद, द्वंद्ववाद तथा उत्तर आधुनिकता जैसे दृष्टिकोणों से समाज का विश्लेषण विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   4. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को व्यावहारिक सामाजिक समस्याओं और संस्थाओं पर लागू करना विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   5. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर अकादमिक लेखन एवं चर्चा कौशल को सुदृढ करेंगे।
   6. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की समझ के माध्यम से शिक्षण, सामाजिक अनुसंधान, एनजीओ. और नीति निर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं विद्यार्थियों के लिए बढाना।

5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 05   Credit Value - 05**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं इन्डोलॉजीकल परिप्रेक्ष्य –** 1. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की प्रकृति, विषय क्षेत्र एवं महत्व 2. देशज समाजशास्त्रः योगेन्द्र सिंह का योगदान 3. इन्डोलॉजीकल परिप्रेक्ष्य 3.1 जी.एस. धुरिये – राष्टीय एकता एवं सकीकरण 3.2 ईरावती कर्वे – भारत में नातेदारी संगठन **गतिविधि** – भारतीय समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य पर ग्रंथालय एवं इंटरनेट से सामग्री संग्रहरण करना।	

Contd—2

इकाई–2	– **संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य :** – 1. रेडक्लिफ ब्राउनः आदिम समाज में संरचना एवं प्रकार्य 2. नव संरचनावादः मिशेल फोकॉल्ट एवं जेफ्रे सी. अलेक्जेंडर 3. एम. एन. श्रीनिवास : प्रभूजाति **गतिविधि** – अपने क्षेत्र की प्रभू जाति का सर्वेक्षण कर विवेचना करना।
इकाई–3	– **प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य :** – 1. प्रकार्यवाद (प्रारंभिक सिद्धांत) मैलिनोवास्की एवं एमिल दुर्खीम 2. टॉलकॉट पारसन्सः सामाजिक व्यवस्था के प्रकार्यात्मक आयाम 3. आर. के. मर्टनः अप्रकट एवं प्रकट प्रकार्य 4. श्याम चरण दुबेः भारतीय ग्राम संरचना, प्रकार्य एवं परिवर्तन **गतिविधि** – अपने ग्राम की संरचना पर एक प्रतिवेदन बनाना।
इकाई–4	**द्वंदात्मक परिप्रेक्ष्य :** – 1. रॉल्फ डाहरेन्डार्फः औद्योगिक समाज में वर्ग संघर्ष 2. लेविस ए. कोजर : सामाजिक संघर्ष के प्रकार्य 3. डी.एन. धनागेर : भारत में कृषक आंदोलन **गतिविधि** – समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर संगोष्ठी आयोजिक करना।
इकाई–5	**समकालीन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण :** – 1. प्रतीकात्मक अन्तः कियावाद– जे. एच.मीड. इर्विंग गोंफमेन 2. प्रघटनाशास्त्रः अल्फ्रेड शुट्ज एशमंड हसेल 3. नृजाति पद्धतिशास्त्रः हेराल्ड गारफिकल 4. स्थानीय वैश्वीकरण (ग्लोकलाइजेशन) : रोलैण्ड रॉबर्टसन **गतिविधि** – वैश्वीकरण के समाज पर प्रभाव की पीपीटी. के माध्यम से प्रस्तुति कीजिये।
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1. डॉ.अंबेडकर का विचार दर्शन, रामगोपाल सिंह 2. वी. के. नागला, भारतीय समाजशास्त्रीय चिन्तन 3. Yogendra Singh, Moderanisation of Indian Tradition. 4. M.N. Srinivas Social Change in Modern India.

.....

स्थापना वर्ष:1963

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
म.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए ˝मइेपजमरूीजजचण्ण्हतपण्वतहए चीण् थ्ंग.0731.2874065
स्थापना वर्ष:1963
शैक्षणिक सत्र: 2025–26

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – समाजशास्त्र
Subject – Sociology
सेमेस्टर – तृतीय
Sem. – IIIrd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश क्रमांक 14–2 के अनुसार

1. **पाठ्यक्रम का कोड – CC31**
   Course Code – CC31
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – समाजशास्त्रीय सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य**
   Course Title – Theoritical Perspective of Sociology
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – कोर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   यह पाठ्यक्रम विद्यार्थीयों में अवधारणात्मक सीख एवं निम्नलिखित समझ पैदा करेगा –
   1. समाजशास्त्रीय विचारधारा को ऐतिहासिक विकास और संदर्भ को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   2. भारतीय समाजशास्त्रीयों के योगदान और स्वदेशी सिद्धांतों को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   3. प्रकार्यवाद, द्वंद्ववाद तथा उत्तर आधुनिकता जैसे दृष्टिकोणों से समाज का विश्लेषण विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   4. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को व्यावहारिक सामाजिक समस्याओं और संस्थाओं पर लागू करना विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   5. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर अकादमिक लेखन एवं चर्चा कौशल को सुदृढ करेंगे।
   6. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की समझ के माध्यम से शिक्षण, सामाजिक अनुसंधान, एनजीओ. और नीति निर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं विद्यार्थियों के लिए बढाना।

5. **क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं इन्डोलॉजीकल परिप्रेक्ष्य –** 1. समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की प्रकृति, विषय क्षेत्र एवं महत्व 2. देशज समाजशास्त्र: योगेन्द्र सिंह का योगदान 3. इन्डोलॉजीकल परिप्रेक्ष्य 3.1 जी.एस. धुरिये – राष्टीय एकता एवं सकीकरण 3.2 ईरावती कर्वे – भारत में नातेदारी संगठन **गतिविधि** – भारतीय समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य पर ग्रंथालय एवं इंटरनेट से सामग्री संग्रहरण करना।	

Contd–2

इकाई–2	– **संरचनात्मक परिप्रेक्ष्य : –** 1. रेडक्लिफ ब्राउनः आदिम समाज में संरचना एवं प्रकार्य 2. नव संरचनावादः मिशेल फोकॉल्ट एवं जेफ्रे सी. अलेक्जेंडर 3. एम. एन. श्रीनिवास. : प्रभूजाति **गतिविधि** – अपने क्षेत्र की प्रभू जाति का सर्वेक्षण कर विवेचना करना।
इकाई–3	– **प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य : –** 1. प्रकार्यवाद (प्रारंभिक सिद्धांत) मैलिनोवास्की एवं एमिल दुर्खीम 2. टॉलकॉट पारसन्सः सामाजिक व्यवस्था के प्रकार्यात्मक आयाम 3. आर. के. मर्टनः अप्रकट एवं प्रकट प्रकार्य 4. श्याम चरण दुबेः भारतीय ग्राम संरचना, प्रकार्य एवं परिवर्तन **गतिविधि** – अपने ग्राम की संरचना पर एक प्रतिवेदन बनाना।
इकाई–4	**द्वंदात्मक परिप्रेक्ष्य : –** 1. रॉल्फ डाहरेन्डार्फः औद्योगिक समाज में वर्ग संघर्ष 2. लेविस ए. कोजर : सामाजिक संघर्ष के प्रकार्य 3. डी.एन. धनागेर : भारत में कृषक आंदोलन **गतिविधि** – समाजशास्त्रीय सिद्धांतों पर संगोष्ठी आयोजिक करना।
इकाई–5	**समकालीन समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण : –** 1. प्रतीकात्मक अन्तः कियावाद– जे. एच.मीड. इर्विंग गोंफमेन 2. प्रघटनाशास्त्रः अल्फ्रेड शुट्ज एशमंड हसेल 4. नृजाति पद्धतिशास्त्रः हेराल्ड गारफिकल 5. स्थानीय वैश्वीकरण (ग्लोकलाइजेशन) : रोलैण्ड रॉबर्टसन **गतिविधि** – वैश्वीकरण के समाज पर प्रभाव की पीपीटी. के माध्यम से प्रस्तुति कीजिये।
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1. डॉ.अंबेडकर का विचार दर्शन, रामगोपाल सिंह 2. वी. के. नागला, भारतीय समाजशास्त्रीय चिन्तन 3. Yogendra Singh, Moderanisation of Indian Tradition. 4. M.N. Srinivas Social Change in Modern India.

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
ःउंपसरूातपण्मगजमदेपवद/हउंपसण्बवउए मइेपजमरूीजजचण्णहतपण्वतहए चीण् श्रा.0731.2874065
स्थापना वर्ष:1963
ः शैक्षणिक सत्र: 2025–26 ः

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – समाजशास्त्र
Subject – Sociology
सेमेस्टर – तृतीय
Sem. – IIIrd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – CC32**
   Course Code – CC32
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – सामाजिक अनुसंधान पद्धतियां: तकनीक और अनुप्रयोग**
   Course Title – Social Research Methods – Technique & Methods
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कोर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**

31. विद्यार्थियों को सामाजिक शोध की परिभाषा, महत्व और प्रकारों को समझने में सहायक होगा।
32. गुणात्मक अनुसंधान की तकनीक जैसे विषय वस्तु विश्लेषण शोध कार्य कथात्मक विश्लेषण का ज्ञान होगा।
33. मात्रात्मक डेटा विश्लेषण, केंद्रीय प्रवृत्ति मापन, प्रसरण मापन के अनुप्रयोग को सरल बनाना।
34. परिकल्पना परिक्षण की विभिन्न पद्धति, सांख्यिकी अवधारणा को समझने में सहायक होगा।
35. शोध कार्य में प्रौद्योगिकी प्रयोग जैसे एसपीएसएस. डेटा कोडिंग के प्रयोग एवं रिपोर्ट लेखन से परिचित कराना।

5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 05** **Credit Value - 05**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **आंकडा संग्रहण की विधियां एवं मापन तकनीकें –** 1. आंकडा संग्रहण की विधियां: सर्वेक्षण, अवलोकन, साक्षात्कार, केस स्टडी, लोकजातीय अध्ययन। 2. आंकडा संग्रहण के उपकरण: प्रश्नावली और अनुसूची 3. माप तकनीक एवं मापन मापनी: लिकर्ट स्केल, गुटमैन स्केल, सिमेटिक डिफरेंशियल स्केल 4. वैधता और विश्वसनीयता **गतिविधि** – 1. छात्राओं समूहों में बांटकर प्रत्येक समूह को एक डेटा संग्रह तकनीक (सर्वेक्षण, अवलोकन, साक्षात्कार आदि) दें। वे उस तकनीक का उपयोग करके डेटा संग्रह की प्रकिया का अभिव करें। 2. छात्राओं को कॉलेज में मोबाइल उपयोग जैसे विषय पर एक प्रश्नावली और अनूसची तैयार करने के लिये कहें।	

Contd—2

इकाई–2	– **गुणात्मक अनुसंधान** तकनीकें : – 1. फोकस ग्रुप चर्चा 2. विषयवस्तु विश्लेषण 3. कथात्मक विश्लेषण 4. ग्राउंडेड थ्योरी 5. सहभागी शोध **गतिविधि** – 1. युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर कक्षा में एक फोकस ग्रुप चर्चा आयोजित करें। भूमिकाएं बांटे – संचालक, प्रतिभागी, टिप्पणीकर्ता। 2. छात्रों को एक अखबार का संपादकीय दें और उन्हें उसमें विषयवस्तु को पहचानकर विश्लेषण करने को कहें।
इकाई–3	– **मापात्मक** डेटा विश्लेषणः – 1. केंद्रीय प्रवृति मापनः माध्य, माध्यिका, बहलक 2. प्रसरण मापन, रेंज, माध्य विचलन, मानक विचलन 3. स्क्यूनेस (विकृति) एवं कटोसिस (सपाटता) 4. केंद्रीय सीमा प्रमेय . 5. सामान्य रूप से वितरित आंकडे 6. मापन के प्रकारः नामिक, क्रमिक, अंतराल अनुपात **गतिविधि** – 1. छात्राओं को डेटा दें और उनसे माध्य, माध्यिका, बहुलक, परास, मानक विचलन आदि की गणना मैन्युअल और एक्सल शीट में करने को कहें। 2. छात्राओं से एक्सल या एसपीएसएस. की मदद से सामान्य वितरण वाले डेटा को बेल कर्व और इंस्टाग्राम के रूप में प्रस्तुत करने को कहें।
इकाई–4	परिकल्पना **परीक्षण और सांख्यिकीय अवधारणाएं** : – 1. आत्मविश्वास स्तर, महतव स्तर एवं पी–मूल्य 2. एक पक्षीय एवं दो पक्षीय परीक्षण 3. परिकल्पना परीक्षण में त्रुटियों के प्रकार 4. सांख्यिकीय परीक्षण – 1. टी.परीरक्षण (एक नमूना, स्वतंत्र नमूने, युग्मित नमूने) 2. विलकॉक्सन साइन रैंक परीक्षण (एक नमूना और युग्मिन नमूना) 3. एनोबा (एक मार्गीय एवं द्वि–मार्गीय) 4. काई वर्ग परीक्षण (उपयुक्तता परीक्षण एवं स्वतंत्रता परीक्षण) 5. सहसंबंधः कार्ल पियर्सन एवं स्पीयरमैन 6. प्रतिगमनः सरल रैखिक एवं बहु रैखिक **गतिविधि** – 1. छात्राओं के साथ एक फ्लो चार्ट बनाये जिसमें नमूना, आकार और डेटा प्रकार के अनुसार उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षण चुना जाए।
इकाई–5	**अनुसंधान में साफ्टवेअर** : – 1. **अनुसंधान में साफ्टवेअर** – – एसपीएसएस, एक्सेल और आर का परिचय – डेटा कोडिंग और प्रविष्टि 2. **रिपोर्ट लेखन एवं प्रस्तुति** – – अनुसंधान रिपोर्ट, शोध प्रबंध एवं लेखों की संरचना और प्रारूप – संदर्भ शैली – एपीए, एमएलए, शिकागो – चार्ट, तालिकाओं और ग्रंथ सूची का उपयोग – फील्ड नोट्स और अनुभवजन्य डेटा की व्याख्या

गतिविधि – 1. प्रयोगिक सत्र जिसमें छात्र कोडेड डेटा दर्ज करें, मूल विश्लेषण (माध्य, मानक विचलन) करें और चार्ट बनाएं। 2. गतिविधि कराएँ जिसमें छात्रों को संदर्भों को सही संदर्भण शैलियो (एपीएल, एमएलए, चिकागो) से मिलान हो।

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं –

1- Research Methodology in social Science, Ravendra Thakur.

2- Research Methodology, methods & Techniques, CR Kothari, Gaurva Garg.

3- सत्येंद्र त्रिपाठी, सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी

4- रामगोपाल सिंह, सामाजिक अनुसंधान एवं पद्धति विज्ञान

5- डॉ. डी.के. लाला दास, सामाजिक अनुसंधान एवं पद्धति विज्ञान

6- राम आहूजा सामाजि अनुसंधान

.....

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – समाजशास्त्र

Subject – Sociology

सेमेस्टर – तृतीय

Sem. – IIIrd

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14-2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – CC33**
   Course Code – CC33
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – कार्य एवं उद्योग का समाजशास्त्र**
   Course Title – Sociology of Work & Industries
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कोर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**

1'. यह विद्यार्थियों के बीच भारत में औद्योगीकरण की प्रकिया, प्रवृत्तियों तथा इसके प्रभावक ी समझ को विकसित करेगा।

2. यह विद्यार्थियों को औद्योगिक नीतियों एवं समस्याओं से भी अवगत कराएगा।

3. इस पाठ्यकम में पारंगत छात्र औद्योगिक समस्याओं विशेष रूप से मानव संसाधन से संबंधित समस्याओं की रोकथाम और समाधान की दिशा में योगदान देने में सक्षम होंगे।

4. इस पाठ्यकम का अध्ययन करने के बाद विद्यार्थी औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	**भारत में औद्योगिक समाजशास्त्र का उद्भव –** 1. प्राचीन भारत और औद्योगिक समाज – 1.1 श्रेणी संगठन 1.2 कर्मकार जातियां 2. औद्योगिक समाजशास्त्र का भारतीय परिप्रेक्ष्य 3. औद्योगिक समाजशास्त्र – 3.1 अवधारणा 3.2 उत्पत्ति एवं विकास **गतिविधि** – भारत की प्राचीन कर्मकार जातियों को सूचीबद्ध करना।	

Contd–2

इकाई–2	कार्य **का समाजशास्त्र** : – 1. कार्य की अवधारणा, विशेषताएं एवं परिप्रेक्ष्य 2. उद्योग में कार्य नैतिकता 3. भारतीय समाज में कार्य **गतिविधि** – कार्य और समाज पर ग्रंथालय अध्ययन।
इकाई–3	औद्योगिक **संबंध एवं औद्योगिक विवाद** – 1. मानव संबंध 2. सत्ता संबंध 3. औद्योगिक संबंध 3.1 अवधारणा 3.2 प्रभाव 3.3 कारण एवं निवारण **गतिविधि** – हडताल पर विद्यार्थियों की समूह चर्चा।
इकाई–4	भारत में **श्रमिक संबंधी** मुद्दे : – 1. श्रम कानून एवं श्रमिक कल्याण कार्यक्रम 2. बदलते श्रमिक – प्रबंध संबंध – 2.1 हडताल 2.2 तालाबंदी 2.3 सामूहिक सौदेबाजी 3. श्रमिक संघ संगठनः राष्टीय एवं अंतराष्टीय **गतिविधि** – किसी भी एक मजदूर संघ पर मोनोग्राफ बनाएं।
इकाई–5	औद्योगीकरण **एवं भारत में सामाजिक परिवर्तन** : – 1. औद्योगिक नीति एवं नियेाजन 2. स्वचालन एवं विवेकीकरण 3. सामाजिक सुरक्षा 3.1 अवधारणा 3.2 सामाजिक बीमा तथा सामाजिक सहायता **गतिविधि** – मध्यप्रदेश की इंन्वेस्टर्स मीट पर प्रतिवेदन बनाइए।
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1. जी.के. अग्रवाल, मनोज छापडिया, औद्योगिक समाजशास्त्र 2. जितेंद्र प्रसाद, औद्योगिक समाजशास्त्र 3. योगेंद्र सिन्हा, सपना माथुर, डॉ. रिचा शर्मा, औद्योगिक समाजशास्त्र 4. ओसामा लहरी, औद्योगिक समाजशास्त्र 5. नीरज कुमार, अनुपमा सिंघल, नितिन सिंघरल, औद्योगिक समाजशास्त्र

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
दूरभाष 0731.2874065
शैक्षणिक सत्र: 2025–26
स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – समाजशास्त्र

Subject – Sociology

सेमेस्टर – तृतीय

Sem. – III rd.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश क्रमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यक्रम का कोड – CC34
   Course Code – CC34
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – पर्यटन का समाजशास्त्र
   Course Title – Sociology of Tourism
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – कोर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-
   1. छात्राएं पर्यटन की समाजशास्त्रीय अवधारणा और भारतीय परंपरा में इसकी भूमिका को समझेंगे।
   2. विद्यार्थी पर्यटन और संस्कृति की पहचान के सामाजिक संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
   3. पर्यटन के प्रकारों, स्थानीय समुदायों से संबंधों और बाजार पर प्रभाव को समझेंगे।
   4. विद्यार्थी पर्यटन के विकास, नीतियों और नवाचार की भूमिका का अध्ययन करेंगे।
   5. भारत और विशेषकर मध्यप्रदेश में पर्यटन की प्रवृत्तियों और सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– पर्यटन का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण और भारतीय ज्ञान परंपरा : – 1. पर्यटन की परिभाषा और समाजशास्त्रीय अध्ययन में उसका स्थान, यात्रा, तीर्थ और अतिथि संस्कृति। 2. भारतीय परंपरा में महत्व, सामाजिक परिवर्तन और पर्यटन की भूमिका। 3. पर्यटन और सामाजिक संरचना में अंतःक्रिया गतिविधि – भारतीय परम्परा में अतिथि तीर्थ पर प्रतिवेदन बनाना।	
इकाई–2	– पर्यटन संस्कृति और पहचान : – 1. पर्यटन और संस्कृति आदान–प्रदान। 2. सांस्कृतिक परसंस्कृतिकरण और संस्कृति का बाजारीकरण। पर्यटकों और स्थानीय समुदायों के संबंध। 3. संस्कृति, पहचान और पर्यटक दृष्टिकोण। गतिविधि – पर्यटन पर सामुहिक चर्चा करना।	

Contd–2

इकाई–3	– पर्यटन के प्रकार, स्थानीय संबंध और बदलता बाजार : – प्रमुख पर्यटन प्रकार – – सांस्कृतिक पर्यटन – आदिवासी पर्यटन – ग्रामीण पर्यटन (लाडपुर खास औरछा) – चिकित्सा पर्यटन – इको–टूरिज्म – पर्यटन और उपभोक्तावाद बदलता स्थानीय बाजार और संस्कृति। गतिविधि – अपने क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्रों पर शोध कार्य करना।
इकाई–4	पर्यटन, विकास, नीति और नवाचार : 1. पर्यटन और आर्थिक विकास। 2. सतत पर्यटन की अवधारणा। 3. भारत की पर्यटन नीतियों की रूपरेखा। 4. मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति, विशेषताएं और प्राथमिकताएं। 5. पर्यटन में नवाचार, डिजिटल टेक्नोलॉजी, थीम आधारित मॉडल, स्थानीय भागीदारी। गतिविधि – किसी पर्यटन स्थान पर लघुकथा लिखना।
इकाई–5	**भारत और मध्य प्रदेश में पर्यटन – सामाजिक परिप्रेक्ष्य : –** 1. भारत में धार्मि, सांस्कृतिक और विरासत पर्यटन। 2. प्रमुख राष्ट्रीय योजनाएं– Incredible India, Swadesh Darshan 3. मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल– खजुराहों, सॉची, पचमढी, ओरछा, भीमबेटका। 4. रोजगार सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय विकास में पर्यटन की भूमिका। गतिविधि – मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति पर चर्चा करना।
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1- Cohen, E. Sociology of Tourism, Prentice-Hall. 2- Urry, J. The Tourism Gaze, Sage Publicatins. 3- Smith, V.L. Hosts and Guests. The Anthropology of Tourusm, University of Pennsylvania Press. 4- Fennell, D.A. Ecotourism, An Introduction, Routledge. 5- Apostolopoious, Y. Leviadi, S. & Yiannakis, A. The Sociology of Tourism. 6- जोशी, अतुल कुमार, अरूण,आर, जोशी, महेश, भारत में आधुनिक पर्यटन, हिंदु पब्लिकेशन। 7- व्यास, राजेश कुमार, भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन।

....